**B.Ed – 1st Year** **Nakul Sah**

**Gender, School and Society** **Assistant Professor**

**Course- 6**

**Lecture – 27**

# CLASS ROOM
## कक्षा–कक्ष

**मनोवैज्ञानिक होमनेज (Homans) के अनुसार ,**

'' कक्षा–कक्ष ऐसा स्थान है जहाँ विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ चलती है, जहाँ पारस्परिक क्रिया होती है, सामाजिक परिस्थितियों को बढ़ाया जाता है और निर्देशात्मक स्थितियों में नियम बनाए जाते है। ''

**शिक्षाविद फिलिप जेकसन ( Philip Jackon ) के अनुसार ,**

'' कक्षा –कक्ष ऐसा स्थान है जहाँ छात्र अपने जीवन –निर्माण काल का अधिकतर समय व्यतीत करते है। यह वह स्थान है जहाँ छात्र बैठते और सुनते है, प्रतीक्षा करते हैं और देखते हैं अपने हाथ खड़े करते है, परीक्षापत्र पास करते हैं, पक्तिबद्ध खड़े होते है। और अपनी पैंसिले तेज करते है। ''

**( John Dewey) के अनुसार ,**

'' कक्षा–कक्ष में ऐसी स्थितियाँ होती हैं जो छात्रों की गुणोन्मुख गुतिविधियों को आगे बढ़ाती हैं और बाधा डालती हैं , प्रेरित करती हैं अथवा रोक लगाती हैं। ''

NAKUL KUMAR

**According to Jyoti A. Christion ,**

'' कक्षा –कक्ष समाज में स्थापित संस्था है। कक्षा कक्ष में दी जाने वाली निर्देशन प्रक्रिया, अध्यापक द्वारा स्वीकृत महत्वपूर्ण व्यहवहारों द्वारा छात्रों के मस्तिष्क को पनिष्कृत करने के उद्देश्य को पूरा करती हैं।''

**शोधकर्ताओं ने कक्षा–कक्ष को इस प्रकार परिभाषित किया है :**

'' भारत का भाग्य उसके कक्षा –कक्षों में गढ़ा जा रहा है। ''

'' कक्षा–कक्ष सामाजिक सांस्कृतिक वातावरण का स्थान हैं। '

NAKUL KUMAR